यज्ञो दानं तपश्चैव पावनानि मनीषिणाम्। -गीता -18.5 यज्ञ,दान व तप ये कर्म मनुष्यों को पवित्र करने वाले हैं।

वासंतीय नवसस्येष्टि होलिकोत्सव

(पर्यावरण शुद्धि व आरोग्य हेतु)

वर्तमान समय वैश्विक महामारी तथा प्रदूषणों से गुजर रहा है। जिस कारण चारों ओर भय का वातावरण बना है।

ऐसे में आहूत द्रव्य एक वैज्ञानिक समाधान है।

अतः इस होली पर्व पर अग्नि में जड़ी-बूटियों की आहुति गायत्री / महामृत्युंजय मंत्र से देकर स्वयं व अपने परिवार तथा गांव-शहरों को स्वस्थ व स्वच्छ बनायें।

जो तुम चाहते हो रोगों से छुटकारा।
तो लो नियमित यज्ञ का सहारा।।